सेमिस्टर 5
प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रस्तुतकर्ता : डॉ.सुरेशभाइ पटेल
वाय एस आर्टस एन्ड के एस शाह कामर्स कालेज
देवगढ बारीआ गुजरात

‘प्रयोजनमूलक हिंदी’

:: प्रयोजनमूलक हिंदी का नामकरण ::

प्रयोजनमूलक हिंदी के संदर्भ में ‘प्रयोजन’ विशेषण में ‘मूलक’ उपसर्ग लगने से ‘प्रयोजनमूलक’ शब्द बना हैं। ‘प्रयोजन’ का अर्थ होता है ‘उद्देश्य’ अथवा ‘प्रयुक्त’ (Purpose of Use) **‘मूलक’ उपसर्ग का अर्थ होता है ‘आधारित’** (Based on or Depending on)।

fppt.com

अतः प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थात् किसी विशिष्ट उद्देश्य के अनुसार प्रयुक्त भाषा मूलक शब्द अंग्रेजी के Function के पर्यायी शब्द के रूप में प्रयुक्त किया जा रहा है। तथा प्रयोजनमूलक हिंदी के लिए Functional Hindi के रूप में किया जा रहा है।

Functional का कोशगत अर्थ कार्यात्मक, क्रियाशील अथवा वृत्तिमूलक होता है। इसलिए इससे प्रयोजनमूलक अर्थ की अभिव्यक्ति नहीं होती - डॉ. दंगल झाल्टे ने इसे Applied Hindi के रूप में ग्रहण करना उचित माना है।

fppt.com

:: प्रयोजनमूलक हिंदी की परिभाषाएँ ::

मोटुरि सत्यनारायण : जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उपयोग में लाई जाने वाली हिंदी ही प्रयोजनमूलक हिंदी है।

डॉ. प्रभात : कामकाजी भाषा सम्प्रत्यय (Concept) का आधार बनती है। वह अनुभव के अंश निकाल देती है। अतः वहाँ तथ्य और सिद्धांत ही रह जाते है। कामकाजी भाषा सम्प्रत्यय तथ्य और सिद्धांत (Principles) के समन्वय के साथ परिणामोन्मुखी काम करती है।

डॉ दिलीप सिंह : जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं,दायित्वों की पूर्ति के लिए उपयोग में लाई जानेवाली हिंदी ही प्रयोजनमूलक हिंदी है।

fppt.com

डॉ. विनोद गोदरे : जीवन जगत की विभिन्न आवश्यकताओं अथवा लोकव्यवहार उच्च शिक्षा, तंत्र जीविकोपार्जन आदि के लिए विशेष अभ्यास और ज्ञान के द्वारा विशेष शब्दावली में अभिव्यक्त इकाइयों एवं सम्प्रेषण कौशल से समाज-सापेक्ष व्यावहारिक प्रयोजनों की समपूर्ति के लिए प्रयुक्त की जानेवाली विशेष भाषा प्रयुक्तियों को प्रयोजनमूलक हिंदी कहा जा सकता है।

डॉ. दंगल झाल्टे : प्रयोजनमूलक हिंदी से तात्पर्य हैं, हिंदी का वह प्रयुक्तिपरक विशिष्ट भाषिक संरचना द्वारा प्रयुक्त किया जाता है और जो सरकारी प्रशासन तथा विज्ञान एवं प्रौधोगिकी के अनेकविध क्षेत्रों को अभिव्यक्ति प्रदान करने में सक्षम सिद्ध होता है

अर्थात प्रयोजनमूलक हिंदी वह है जिसमें विविध क्षेत्रों का कार्य सुचारू रूप से किया जाता है। वह दैनंदिन व्यवहार में आनेवाली भाषा से अलग है उसमें प्रयुक्तिपरक विभिन्न रूप होते हैं।

fppt.com

:: प्रयोजनमूलक हिंदी की स्वरूपगत विशेषताएँ ::

(□) भाषिक विशिष्टता,

(□) प्रयोजनपरकता /अनुप्रयुक्तता,

(□) सामाजिकता,

(□) वैज्ञानिकता,

(□)कृत्रिमता या औपचारिकता,

(□) पारिभाषिकता,

(□) अर्जित भाषा,

(□) उपयोगिता ।

fppt.com

:: प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रयुक्ति क्षेत्र ::

(□) **वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी :** वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी के अंतर्गत भौतिक, रसायन, वनस्पति और जीवविज्ञान आते हैं। इसके साथ ही इंजिनियरी, प्रेस, फैक्ट्री आदि से सम्बधित भाषारूप आते है। इन सबकी अपनी शब्दावली होती हैं। जैसे की, (□) सुस्पष्टता/ परिशुद्धता, (□) संक्षिप्तता एवं सुबोधता, (□) वस्तुनिष्ठा, (□) आलंकारिकता का आभाव, (□) वैज्ञानिक शैली।

fppt.com

(□) **प्रशासनिक या कार्यालयी हिंदी :** प्रशासनिय हिंदी से तात्पर्य हैं वह हिंदी जो सरकारी, अर्धसरकारी, निम्नसरकारी कामकाजों में प्रयुक्त की जाती है। जिसमें मंत्रालय तथा मंत्रालय के अंतर विभागों में टिप्पण, प्रारुपण, पत्राचार, प्रतिनिवेदन, सरकारी नीति संबधित विवरण आदि के लिए अपनी विशिष्ट भाषा होती है। जिसकी विशेषताएँ हैं -

(□) निवैयक्तिकता, (□) तथ्यों में स्वपूर्णता/ स्पष्टता, (□) वर्णनात्मकता, (□) यथासंभव असंदिग्धता, (□) तकनीकी - अर्धतकनीकी भाषा का प्रयोग

fppt.com

(□) **विधि की हिंदी :** कानून या विधिक क्षेत्र में प्रयुक्त होने वाली हिंदी होती है। विधि का क्षेत्र अत्यंत व्यापक हैं। संविधान, अधिनियम, नियम, विनिमय, स्थाई आदेश, अनुबंध करार आदि से संबंधित दस्तावेज, न्याय प्रक्रिया, बयान, साक्ष्य, आदि का भाषा विधि की हिंदी के अंतर्गत आते है। इसकी विशेषताएँ निम्नरूप से हैं -

(□) संक्षिप्तता, सुनिश्चितता, सुस्पष्टता (□) भाव की असंदिग्धता और विशुद्धता (□) विधि विषय परम्परागत शब्दावली (□) अनुवाद - प्रधानता

fppt.com

(□) **वाणिज्य एवं व्यावसायिक हिंदी :** वाणिज्य और व्यावसायिक हिंदी प्रयोजनमूलक हिंदी का महत्वपूर्ण अंग हैं, इसका प्रयुक्ति क्षेत्र व्यापक हैं। जो राष्ट्रीय स्तर से आंतरराष्ट्रीय कम्पनियों के विज्ञापन, यातायात, व्यापार, औद्योगिक क्षेत्र, सरकारी, अर्धसरकारी, गैरसरकारी, कार्यलय, बीमा बैंक आदि से संबधित पत्राचार इसके अंतर्गत आते है। इसकी विशेषताएँ निम्नरूप से हैं-

(□) विभिन्न स्त्रोंतो की शब्दावली, (□) उपप्रयुक्तियों के अनुरूप भाषिका संरचना।

fppt.com

(□) **जनसंचार माध्यमों की हिंदी :** जनसंचार का अर्थ है- 'बहुत बड़े आकार के बिखरे लोगों तक संचार माध्यमों द्वारा संदेश व सूचना पहुँचाना।' स्थूल रूप से देखा जाए तो जन सम्पर्क, पत्र-पत्रिकाएँ, आकाशवाणी तथा दूरदर्शन जन-संचार के प्रमुख माध्यम इसके अंतर्गत आते है। इसकी विशेषताएँ निम्नरूप से हैं-

(□) सहजता और संप्रेषणशीलता, (□) माध्यमानुकूल भाषा - संरचना, (□) प्रभावशीलता।

fppt.com

धन्यवाद..!

fppt.com